A–1050

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BAJY(N)-102

होराशास्त्र एवं फलादेश के सिद्धान्त

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. द्वादश भावों में सूर्यादि ग्रहों का विस्तार पूर्वक भाव फल लिखिए।

अथवा

जातक शास्त्र के स्वरुप का निरूपण कीजिये।

2. कारक ग्रह से आप क्या समझते हैं कारक के स्वरूप विचार का प्रतिपादन कीजिए।

3. ग्रहों के शुभाशुभत्व का विस्तार पूर्वक निरूपण कीजिये।

4. ग्रहों के विंशोतरी दशा फल का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. अष्टोत्तरी दशा का परिचय देते हुए दशा फल का उल्लेख कीजिए।

अथवा

भारतीय ज्योतिष शास्त्र का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मेष–मिथुन–कन्या राशियों के स्वरुप का वर्णन कीजिये।

अथवा

राशियों का परिचय दीजिये।

2. द्वादश भावों का परिचय देते हुए विचारणीय विषयों का लेखन कीजिये।

3. चन्द, शुक्र एवं शनि ग्रहों के स्वरुप का वर्णन कीजिये।

अथवा

सप्तम भाव के विचारणीय विषयों का प्रतिपादन कीजिये।

4. ग्रहों के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

5. ग्रह दृष्टी से क्या तात्पर्य हैं ? स्पष्ट कीजिये।

अथवा

ज्योतिष शास्त्र पर निबंध लिखिए।

6. ग्रहों के कालबल से आप क्या समझते हैं ? वर्णन कीजिये।

7. पंचांग का परिचय देते हुए सात प्रकार के करणों का फल लिखिए।

8. ग्रहों के पूर्ण बल से क्या तात्पर्य हैं ? स्पष्ट कीजिये।

अथवा

बली ग्रह से आप क्या समझते है ? टिपण्णी लिखिए।

****